बधाई देता हूं । उन्होंने यह बात कह कर कि यह लाखों का फारन-एक्सचेंज जो मंजूर किया गया था, नहीं दिया जाएगा, भारत की जनता की भावनाओं का आदर किया है । यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी ट्रेजडी होती है कि जो फासिस्ट रूल के सिम्बल थे, उनके स्टेचू के लिए हमारी सरकार इतना बड़ा फारन-एक्सचेंज देती ।

मैं प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहता हूं—इस प्रकार के स्टेचू बनाने या इसी तरह की जो दूसरी बातें आतीं हैं, क्या इनके लिए आपने कोई यार्ड-स्टिक बनाई है कि किन-किन के लिए फारन-एक्सचेंज दिये जायेंगे और किन-किन के लिए नही दिए जायेंगे, ताकि आइन्दा इस प्रगार की चीजें घटित न हों ? There may be requests for the statue of Vivekananda; there may be requests for many things.

SHRI MORARJI DESAI: It is not necessary to have any statues from outside and we would not give any foreign exchange for any statue from outside.

श्री मनी राम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, इस सवाल के साथ एक और बहुत बड़ी भावना जुड़ी हुई है । डा० राम मनोहर लोहिया ने इसके बारे में सारे देश में एक मूवमेंट चलाई थी—इसलिए मैं एक बहुत कहत्वपूर्ण सवाल पूछना चाहता हूं । डा० राम मनोहर लोहिया ने सारे देश में यह भावना फैलाई थी कि विदेशी बुतों को और विदेशी शासकों के नाम पर बनी हुई सड़कों के नामों को बदला जाय । क्या प्रधान मंत्री जी इस ओर विशेष ध्यान देंगे कि विदेशी शासकों के नामों की सड़कों के नाम बदल कर भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के योद्धाओं और भारतीय इतिहासकारों के नामों पर सड़कों के नाम रखे जायें और विदेशी शासकों के बुतों को हटा कर उनकी जगह स्वतन्त्रता के लिए लड़ने वालों के बुत लगाये जायें ?

MR. DEPUTY SPEAKER: The hon. Member wants to know whether there is any proposal to change the names of roads and statues having foreigners' names. That does not arise from this question.

अफ्रीका, दक्षिण अमरीका और दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय माल की बिक्री

*486. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अफ्रीका, दक्षिण अमरीका और दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय माल की बिक्री के लिए सरकार ने क्या प्रयत्न किये हैं अथवा करने का विचार है ; और

(ख) उनमें से ऐसे देशों के नाम क्या हैं जिनके साथ अब तक हमारे व्यापार सम्बन्ध रहे हैं तथा उन देशों को किन वस्तुओं का निर्यात किया जाता रहा है ?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) Efforts made for marketing of Indian goods to South America, Africa and South East Asia include conducting of market surveys, sending sales delegations, holding of Indian exhibitions, participation in international exhibitions, commercial publicity, granting soft credits, concluding of Trade Agreements, holding of trade talks at Government level, tendering for international tenders, opening offices of export promotion organisations and efforts by our Commercial Missions for collection and dissemination of information. The same efforts are proposed to be intensified in future.

(b) Statement is enclosed.

Statement

List of countries with which we have trade relations.

SOUTH AMERICA

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Columbia
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
Ecuador
El Salvador
Guatemala
Haiti
Honduras (British)
Mexico
Nicargua
Panama Republic
Paraguay
Peru
Uruguay
Venezuela
American
Semoa
Bahamas
Bermuda
Barbados
French West Iadies

AFRICA NORTH OF SAHARA
ARE (EGYPT)

Sudan

Algeria

Libya

Morocco

Tunisia

Chad

AFRICA SOUTH OF SAHARA

Botswana
Burundi
Cameroun
Canary Island
Cape Verde Island
Central African Republic
Chad
Comoro Island
Congo (Braz)
Zaire
Dehomey (Benin)
Ethopia
Gabon
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malawi
Mali
Mauritania
Mauritius
Niger

SOUTH ASIA

Afghanisthan
Pakistan
Nepal
Bangla Desh
Sri Lanka

EAST ASIA

Australia

Burma
Cambodia (Khmer Republic)
Formosa
Fiji

Hong Kong
Indonesia

Japan

South Korea
Laos
Malaysia
New Zealand
Philippines
Singapore
Thailand
Peoples Republic of China
Democratic Peoples Republic of Korea
Mangolia
Peoples of Republic of Vietnam

SOUTH AMERICA

Guiana
French Guyana
Honduras not British
Virgin Island
Jamaica
Leeward Island
Netherland
Antilles
Puerto Rico
Surinam
Trinidad and Tobago
Windward Islands

AFRICA SOUTH OF SAHARA

Nigeria
Mozambique
Mozambique Re-union
Rwanda
Saothemeet Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Spanish Sahara
St. Helena and Accenstin
Svaziland
Tangier
Tanazania
Togo
Uganda
Upper Volta
West Africa
Zambia

LIST OF COMMODITIES

1. Iron Ore
2. Manganese Ore
3. Marine Products
4. Pearls, Precious and semi-precious stones.
5. Machinery electic
6. Engineering Goods
7. Jute Manufactures
8. Cashew Kernels
9 Fruits and Vegetables
10. Coffee
11. Tea
12. Spices
13. Tobacco unmanufactured and manufactured
14. Groundnut kernels, H.P.S.
15. Wood, lumber and cork
16. Mulbery silk waste
17. Mica including splittings and waste
18. Crude Minerals
19. Chemical element and compounds
20. Dyeing tanning and colouring materials
21. Medical and pharmaceuticals products
22. Leather
23. Mineral manufactures
24. Metal manufactures
25. Machinery other than electric
26. Iron and steel
27. Aluminium
28. Transport Equipment
29. Travel goods, hand-bags and similar articles

30. Cotton textiles and clothing (readymade garments)
31. Leather manufactures and footwear
32. Handicrafts
33. Chemicals and allied products
34. Paper, paper board and manufactures
35. Glass and glassware
36. Ores and concentrates of menganese
37. Sandal wood
38. Shellac
39. Oil seed cakes and meal and other vegetable oil residues
40. Animal feeds
41. Rubber manufactures
42. Scientific, optical and medical instruments
43. Plastic materials
44. Cinematographic films
45. Perfumery and toiletteries
46. Sugar
47. Cement
48. Fish products.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में यह बताया है कि इतना हम प्रयत्न कर रहे हैं । मैं यह जानना चाहूंगा कि उस प्रयत्न के परिणामस्वरूप आपने किन किन देशों को कितना माल और कितने मूल्य का माल भेजा है और उस माल में क्या आपने एसेंसियल कोमोडिटीज दी हैं और दी है तो वे क्या हैं ?

श्री मोहन धारिया : उपाध्यक्ष महोदय, किन किन देशों को कितना कितना माल भेजा है , यह बताने के लिए तो नोटिस की आवश्यकता है क्योंकि उसमें काफी मालूमात देनी पड़ेंगी । कौन सी तरह का माल भेजा है ।

I can only say that the list could include commodities like iron ore, manganese, marine products, pearls, machinery, jute machinery, textiles, coffee, tea, spices, tobacco, groundnut kernels; and there are so many things which can be exported by this country. They are all included in this list.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा था कि किन किन देशों को कितना माल भेजा है, इतना नहीं बता सकते, परन्तु इतना ज्ञान तो मंत्री जी को होगा कि कितने रुपए का आपने माल इन देशों को भेजा ?

श्री मोहन धारिया : उपाध्यक्ष जी, कुल जो एक्सपोर्ट हो चुका है वह एक साल में पूरी दुनियां में 5,000 करोड़ रुपए का हुआ है । इन देशों में कितने रुपए का माल भेजा गया है, इसके लिए तो नोटिस की आवश्यकता है । हमारी तरफ से क्या एफर्टस बाहर माल भेजने के हो रहे हैं, जिससे ज्यादा माल जाये, सवाल यह था ।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : इन देशों में से किन किन देशों के साथ आपने हार्ड करन्सी में और किन किन देशों के साथ सोफ्ट करन्सी में व्यापार किया है और कितने कितने रुपये का किया है ?

श्री मोहन धारिया : उपाध्यक्ष, महोदय, अफगानिस्तान, नेपाल और नोर्थ कोरिया के साथ रुपया करन्सी में व्यापार चलता है और जो लिस्ट मैं ने दी है, उन देशों के साथ हार्ड करन्सी में व्यापार चलता है ।

SHRI K. GOPAL : I hope the hon. Minister will agree that selling is a tough job; and selling to a foreigner is a tougher job I know that for sales promotion, he is sending teams from the side of the government; and he picks up people sometimes also from the private sector. I would like to know whether he will take care and

ensure that whenever a team for sales promotion is sent abroad, not only bureaucrats are sent, but people with professional experience are also sent. Let him not brush this aside by saying that it is a good suggestion. Will he do it?

SHRI MOHAN DHARIA: I accept the suggestion; and it will be a combination of officers as also experts dealing in the matter.

PROF. R. K. AMIN: India was trying to have a Common Market of the Asian countries. Quite recently, some Asian countries have formed a preferential bloc in order to increase the trade amongst themselves. How is it that India has been excluded from that preferential bloc and how is it that India did not make any efforts to form a common market of those countries which are under-developed in Asia?

SHRI MOHAN DHARIA: The whole House knows the difficulties of the under-developed countries. In many respects we have just to depend. You may have noticed yesterday that there are reports that ECC has notified that they will not allow imports of our ready made garments. It may create all sorts of problems. Under these circumstances, even though the suggestion is admirable, there are several inherent difficulties in implementing the suggestion.

PROF. R. K. AMIN: Already some Asian countries have formed a preferential bloc.

SHRI MOHAN DHARIA: They have not succeeded, you know that.

श्री हुकम देव नारायण यादव : विदेशों को जो माल निर्यात होता है या वहां से आयात होता है उसकी जो कीमत लगायी जाती है वह लागत खर्च के आधार पर लगायी जाती है । क्या हमारी सरकार इस दृष्टिकोण को सामने रखेगी कि विश्व बाजार में माल की कीमत श्रम के खर्चे के आधार पर लगायी जाए ? हमारा देश पिछड़ा और अविकसित होने के कारण आधुनिक मशीनों का कम उपयोग करता है जिससे श्रम का खर्चा अधिक होता है जिसके कारण जो माल अमेरिका 6 मिनट में, रूस लगभग 14 मिनट में, चीन लगभग 35 मिनट में तैयार करता है, वही माल भारत में 60 मिनट में तैयार होता है । क्या सरकार अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जो माल निर्यात किया जाएगा या वहां से आयात किया जाएगा उसकी कीमत निर्धारण में इस दृष्टिकोण को सामने रखेगी और उसी के आधार पर कीमतों का निर्धारण करेगी ?

श्री मोहन धारिया : उपाध्यक्ष जी, जहां जहां हम अपने लोगों को ज्यादा काम दे सकते हैं, वहां का ज्यादा माल निर्यात हो, यही हमारी कोशिश रहती है ।

श्रीमती मृणाल गोरे : क्या वाणिज्य मंत्री जी को इस बात की जानकारी है कि अन्तर्राष्ट्रीय मार्किट में हमारे यहां से तैयार कपड़े जाते हैं और इस तैयार कपड़े के बम्बई में सैकड़ों कारखाने बन्द पड़े है जिसके कारण मजदूर बेकार हो गये हैं ? क्या मंत्री जी इस बात के लिए कोशिश करेंगे कि इस तैयार कपड़े का निर्यात फिर से चालू हो जाए ?

श्री मोहन धारिया : यह बड़ा पेचीदा मामला है । हमारे आफिसर्स अभी वहां जाकर बातचीत कर रहे हैं और जितनी वहां की आवश्यकताएं हैं उनके बारे में भी कोशिश कर रहे हैं । हमारी जो रेडीमेड गारमेंट की इंडस्ट्री है उस पर काफी लोग निर्भर हैं । इस बारे में जितने कदम उठाने की आवश्यकता होगी, उतने कदम उठाये जायेंगे ।

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The hon. Minister has given various details of the steps he has taken to improve trade relations with South-east Asian, African and South American countries. What steps has he

taken to see that the goods meant for friendly African countries are not switched over to South African markets and Rhodesia?

SHRI MOHAN DHARIA: So far as our country is concerned, we can take care to see that they are shipped only to the proper countries to which they should go, but so far as smuggling in those areas is concerned, my hon. friend will appreciate that it is beyond our jurisdiction.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I am not talking of smuggling but of switching over of goods meant for one country to another.

SHRI MOHAN DHARIA: So far as our agreements are concerned, we can take that much of care, but as soon as the shipments leave our hands, they are beyond our control.

SHRI YADVENDRA DUTT: The hon. Minister has just mentioned the difficulties with ECC. Will he be pleased to state what steps he has taken for joining with the Southeast Asian countries for trade and economic purposes?

SHRI MOHAN DHARIA: The House is well aware that different bodies have been created where various countries are coming together, thinking together and naturally, so far as our interests are concerned, they are similar to that of the other developing countries. We all try to join hands in taking care that everybody's interests are well served.

SHRI VINODBHAI B. SHETH: The Minister has stated several times that there would not be any export at the cost of the consumers of this country. Would he categorically state that export of essential goods will not take place at the cost of the consumers of this country?

SHRI MOHAN DHARIA: I made it clear on so many occasions here that there would not be any export of essential articles overlooking the demand of the common-man of this country and we very much stand by that promise.

DR. V. A. SEYID MUHAMMED: Is it not a fact that due to lack of proper coordination among various trade agencies like the STC, exhibition agencies, sales promotion agencies and the concerned embassies, there is considerable loss of trade and expansion of trade is also affected? If so, what steps the Minister is going to take to have coordination among these agencies?

SHRI MOHAN DHARIA: I am well aware of this lack of coordination and in this context, only tomorrow I am going to convene a meeting of the various agencies concerned with export trade and we may be taking up these issues of coordination. Tomorrow is the day when awards are to be given by our Rashtrapatiji and taking advantage of this, in the afternoon, I have convened a meeting

Trade Agreement between India and U.S.A.

*488. SHRI R. V. SWAMINATHAN: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether any trade agreement has been signed recently between U.S.A. and India;

(b) to what extent the trade between the two countries will improve as a result thereof; and

(c) whether any business delegations of either country visited each other for the purpose?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a). No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.